

149 अक्षरा

अनुक्रम

सम्पादकीय //

सबद निरन्तर // 7

लीक से हटकर एक मौलिक निबन्ध चर्चा : बाबू गुलाबराय : रमेशचन्द्र शाह
धरोहर // 12

भारतीय संविधान में सांस्कृतिक अवधारणा नहीं : आचार्य डॉ. रघुवीर
आलेख // 17-36

समय बढ़ा है या मनुष्य : सुखदेव प्रसाद दुबे

रवीन्द्रनाथ त्यागी का व्यंग्य विधान : राधा तोमर

परम्पराओं के साक्षी : कृष्ण बिहारी मिश्र : मनीष चन्द्र शुक्ल

आदिवासी जनजातियाँ और उनके लोकोत्सव : एम. डी. मिश्रा 'आनन्द'

काले मन और काले धन का प्रदूषण : सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी

साहित्य में प्रतीक का महत्व : अमित शुक्ल

ललित निबंध // 37

सृष्टि का युग्मराग : प्रकृति का चर्यातत्व : मालती शर्मा

संस्मरण // 40-47

शिक्षा में धर्म का अध्ययन : न्यायमूर्ति डी.एम. धर्माधिकारी

श्रीनाथद्वारा में दो दिन : प्रेमपाल शर्मा

व्यंग्य // 48-53

साहित्यकार का पति-पत्नी विमर्श : सूर्यबाला

अब ये मौसम रुलाता बहुत है : अरुण अर्णव खरे

कहानी // 54-79

वो देश के काम आये : नीरजा माधव

विनती : नीता श्रीवास्तव

दीपशिखा : सुमन ओबेराय

अन्तर्ध्वनि : शीला मिश्रा

साक्षात्कार // 80

दामोदर खड़से से एम. जे. शिवदास की बातचीत

लघुकथा // 84-85

कबूल है, काजल : प्रभु मढ़इया विकल

वक्त करवट लेता रुका : कमलेश बख्शी

कविताएँ // 86-90

होलिका का आत्म-चिंतन : करुणा उमरे

मोहभंग से धनुष भंग तक : ओमप्रकाश सिंह

गीत / नवगीत // 91-93

शंकरशरण लाल बत्ता

प्रेमलता नीलम

राधा जनार्दन खरे

अनिल कुमार

भाषायी शुचिता // 94

शब्दों का सफर : अजित वरणेकर

पुस्तक चर्चा // 97

अंडर स्टैंडिंग इस्लाम (बी.बी. कुमार) : शंकर शरण

पत्रिकाओं का संसार // 103-105

पत्रिकाओं का संसार : अहद प्रकाश

समीक्षा // 106-116

ढाई बीघा जमीन (मृदुला सिन्हा) : सुषमा मुनीन्द्र

प्रामाणिक बृहद बुंदेली शब्दकोश (सरोज गुप्ता) : गंगाप्रसाद बरसैया

कुटुमसर गुफा (पुष्पा तिवारी) : बसन्त निरगुणे

अन्तर्मन (भूपेन्द्र तिवारी) : रामवल्लभ आचार्य

अर्धालिया के पूर्णाकार (प्रभुदयाल मिश्र) : युगेश शर्मा

बूँद-बूँद एहसास (मालिनी गौतम) : श्याम बिहारी सक्सेना

पत्रांश // 117-118

मुखपृष्ठ //